हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, सोमवार 15 जून 2026

11 विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण ...

12 'खादी रोजगार उत्सव' कारीगरों के लिए खोलेग...

बिजली और पानी के गंभीर संकट को लेकर बिफरे सेक्टरवासी

24 घंटे में 48 कट, बिल बहिष्कार की दी चेतावनी

पावर हाउस का घेराव कर जताया रोष

सेक्टर-13 को माना जाता है पाश इलाका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सेक्टर-13 में बिजली व पानी के गंभीर संकट को लेकर सेक्टरवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। मूलभूत सुविधाओं की किल्लत से परेशान नागरिकों ने रविवार को सेक्टर-13 स्थित सामुदायिक भवन में आपात बैठक की। मीटिंग की अध्यक्षता नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन विजय पचगांवा ने की। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के उदासीन रवैये के खिलाफ गहरा रोष प्रकट किया। मीटिंग के बाद भारी संख्या में एकत्रित हुए सेक्टरवासियों ने सेक्टर-13 स्थित पावर हाउस का घेराव किया और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध दर्ज करवाया।

खरीदकर पी रहे पानी

नप के पूर्व चेयरमैन विजय पचगांवा ने कहा कि सेक्टर-13 शहर का पॉश इलाका माना जाता है, लेकिन आज हालात गांवों से भी बदतर हो चुके हैं। सेक्टरवासी समय पर अपने बिजली और पानी के बिलों का भुगतान करते हैं। इसके बावजूद उन्हें नरकीय जीवन जीने को मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 24 घंटों में 48-48 बार बिजली के कट लग रहे हैं। भीषण गर्मी में बिजली न होने से पानी की सप्लाई भी पूरी तरह ठप है।

उन्होंने कहा कि सेक्टरवासी पानी का बिल भरने के बावजूद जेब से मोटी रकम खर्च कर निजी पानी के टैंकर खरीदने को मजबूर हैं, ये जनता पर सीधी दोहरी मार है। सेक्टरवासियों ने सामूहिक रूप से मन बना लिया कि वे तंग आकर सेक्टर को छोड़ देंगे या फिर जल्द ही बिजली-पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो वे बिजली और पानी का बिल भरने का पूर्ण रूप से बहिष्कार करेंगे।

भिवानी। सेक्टर 13 के सामुदायिक भवन में बैठक को संबोधित करते विजय पंचगांवा। फोटो : हरिभूमि

बिल भरने के बावजूद सेक्टरवासी टैंकरों से पानी खरीदने को मजबूर: विजय

मूलभूत सुविधाओं की किल्लत से परेशान नागरिकों ने रविवार को सेक्टर-13 स्थित सामुदायिक भवन में आपात बैठक की

सेक्टरवासियों ने बताया कि जब भी बिजली गुल होने की शिकायत करने के लिए संबंधित विभाग के कार्यालय या कर्मचारियों को फोन किया जाता है तो हर बार एक ही रटा-रटाया जवाब मिलता है कि कर्मचारी गुजरानी फीडर पर फॉल्ट ठीक करने गए हुए हैं। सेक्टर के प्रबुद्ध नागरिकों ने बताया कि विकट समस्या के बारे में संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन आला अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही।

रात्रि गश्त बढ़ाई जाए

पूर्व पार्षद सुरेश ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अगले कुछ दिनों के भीतर बिजली के अघोषित कट बंद नहीं हुए और पानी की सुचारू आपूर्ति बहाल नहीं की तो वे सेक्टरवासियों के साथ मिलकर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगी, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन व बिजली-जलघर विभाग की होगी। सेक्टरवासियों ने एसपी से मांग की कि सेक्टर में बढ़ती चोरी पर लगाम लगाने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाई जाए तथा बीपीएस स्कूल के सामने पीसीआर तैनात किया जाए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर चिरंजीलाल सांवरिया, राजकुमार, बलबीर, नरेश बंसल, नरेंद्र शर्मा, पंकज गोयल, कृष्ण सिंह नंबरदार, भूपेंद्रसिंह, एनके ढ़ांडा, डॉ. हरज्ञान सिंह, डॉ. फूलसिंह, गजेसिंह, सत्यप्रकाश, मातुराम, राममेहर जांगड़ा, प्रदीप ढ़ांडा, ओमप्रकाश भुक्कल, राजपाल मान, छाजूराम श्योराण, कृष्ण कुमार, महेंद्र सिंह, हरि सिंह श्योरण, शैलेंद्र सहित अनेक सैक्टरवासी मौजूद रहे।

भिवानी। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते बीटीएम मिल कपड़ा मिल कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

मजदूर के साथ मारपीट का आरोप

न्यूनतम वेतन नहीं मिला तो होगा बड़ा आंदोलनः कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बीटीएम मिल कपड़ा मिल कर्मचारियों ने न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर रविवार को भी प्रदर्शन किया। हड़ताल के बीच एक मजदूर के साथ कथित मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है, जिसके बाद मजदूरों में भारी रोष है। पीड़ित मजदूर ने पुलिस में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। भिवानी की जीबीटीएल मिल में न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर मजदूर लगातार हड़ताल पर हैं।

वहीं अन्य मजदूर कर्मचारियों का कहना है कि हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन 15 हजार 221 रुपये निर्धारित किया गया है। उनका आरोप है कि कंपनी ने एक महीने तो निर्धारित वेतन दिया, लेकिन अगले महीने फिर से पुराना वेतन 11 हजार 221 रुपये देना शुरू कर दिया। इसी के विरोध में मजदूर हड़ताल पर हैं। मजदूरों का कहना है कि यदि कंपनी प्रबंधन और ठेकेदारों द्वारा न्यूनतम वेतन लागू नहीं किया गया तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि अपनी मांगों को लेकर वे सड़कों पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेंगे। फिलहाल पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है और मजदूर प्रशासन से कार्रवाई की उम्मीद लगाए बैठे हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं की जाती तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

निर्धारित न्यूनतम वेतन 15 हजार 221 रुपये को लेकर बीटीएम मिल कपड़ा मिल प्रबंधन और कर्मचारियों में टकराव की स्थिति

खबर संक्षेप

बोलेरो की टक्कर से बाइक चालक घायल, मामला दर्ज

लोहारू। लोहारू दादरी मुख्य सड़क मार्ग पर बोलेरो और बाइक की टक्कर में बाइक चालक घायल हो गया। घायल की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के झुंझुनू जिला निवासी रणधीर सिंह ने बताया कि वह बाइक पर बसीरवास गांव से लोहारू की तरफ जा रहा था। इस दौरान सामने से आई बोलेरो ने उसे टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया तथा उसे लोहारू के सीएचसी में दाखिल कराया गया।

अनाज मंडी से बाइक चोरी, मामला दर्ज

लोहारू। अनाजमंडी परिसर में दुकान के सामने से चोर दिन दहाड़े बाइक चोरी करके ले गया। बाइक चालक की शिकायत पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बाइक चोरी की घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई, जिसमें युवक बाइक ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। राजस्थान के निकटवर्ती गांव भावठड़ी निवासी पप्पू ने बताया कि वह लोहारू में मजदूरी का काम करके बाइक पर सायं को वापिस अपने गांव लौट रहा था। इस दौरान उसने किसी काम के लिए अनाज मंडी में परचून की दुकान के सामने अपनी बाईक खड़ी की थी। जब वापिस लौटकर देखा तो उसकी बाइक गायब थी।

संत कबीर जयंती को लेकर धानकान मोहल्ला में चलाया जनसंपर्क अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शिव धानक धर्मशाला बवाड़ी गेट चन्द्रगिरी स्कूल के सामने धानकान मोहल्ला में पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में 29 जून को प्रदेश सरकार द्वारा भिवानी में राज्य स्तर पर मनाई जाने वाली संत करीबदास महाराज की 629वीं जयंती समारोह के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया। हंसराज खनगवाल ने कहा कि भिवानी में संत कबीरदास महाराज की राज्य स्तर पर जयंती मनाना गौरव की बात हैं। इस दौरान क्षेत्रवासियों को जयंती समारोह के लिए निमंत्रण दिया और कहा कि जयंती समारोह में मुख्यतिथि के रूप में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में अनेक मंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व सांसद व पूर्व विधायक शामिल होकर संत कबीर साहेब को नमन करेंगे।

भिवानी में राज्य स्तर पर संत कबीरदास जयंती मनाना गौरव की बात: हंसराज

भिवानी। धानकान मोहल्ला में लोगों को संबोधित करते पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल। फोटो : हरिभूमि

योग मैराथन आज, सभी तैयारियां पूरी

स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम के साथ निकलेगी योग मैराथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं योग को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। इसी कड़ी में सोमवार, 15 जून को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय योग मैराथन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि योग दिवस को व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाने के लिए जिला भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग व योग युक्त-नशा मुक्त हरियाणा थीम के साथ जिला स्तरीय योग मैराथन प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगी। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ, संतुलित जीवनशैली अपनाने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का माध्यम है। योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली और बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच योग की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। सोमवार 15 जून को प्रातः 6 बजे योग मैराथन का शुभारंभ रोज गार्डन से किया जाएगा। विशिष्ट जनों द्वारा योग प्रमियों की मैराथन को झंडी दिखाकर योग मैराथन को रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलाभर में योग अभ्यास प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में नागरिक भाग ले रहे हैं।

आज प्रातः 6 बजे योग मैराथन का शुभारंभ रोज गार्डन से किया जाएगा: उपायुक्त

गांव खानक में किसान के घर से दो भैंस, कटड़ी और कटड़ा चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

ग्रामीण इलाकों में पशु चोरी की बढ़ती वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला भिवानी जिले के तोशाम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव खानक से सामने आया है, जहां किरावड़ रोड पर स्थित एक घर से चोरों ने रात के अंधेरे में एक किसान के लाखों रुपये के पशुओं पर हाथ साफ कर दिया।

इस चोरी के बाद से न केवल पीड़ित परिवार सदमे में है, बल्कि क्षेत्र के तमाम किसानों में असुरक्षा और चिंता का माहौल बना हुआ है। पीड़ित किसान सुखबीर ने तोशाम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रोज की तरह शुक्रवार रात को भी उनके पशु घर के अहाते में बंधे हुए थे। इनमें दो दूध देने वाली भैंस, एक कटड़ी और एक कटड़ा शामिल थे। देर रात चोरों ने घर में प्रवेश किया और बेहद शातिर तरीके से चारों पशुओं को खोलकर अपने साथ ले गए। वारदात का पता शनिवार सुबह उस वक्त चला जब परिवार के सदस्य रोजाना की तरह पशुओं का दूध निकालने और उन्हें चारा डालने के लिए उठे। खूंटियों को खाली देख परिजनों के होश उड़ गए। आस-पास के इलाके और खेतों में पशुओं की काफी तलाश की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ि किसान सुखबीर ने कहा कि चोरी हुए पशुओं की कीमत बाजार में लाखों रुपये है। एक किसान के लिए उसके पशु ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी और आजीविका का साधन होते हैं। इस चोरी ने मेरी आर्थिक कमर तोड़ दी है। घटना की सूचना तुरंत तोशाम थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके का मुआयना किया और पीड़ित सुखबीर की शिकायत के आधार पर चोरों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। चोरों का सुराग लगाने के लिए पुलिस किरावड़ रोड और खानक गांव के मुख्य रास्तों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को अंदेशा है कि चोर पशुओं को किसी पिकअप या बड़े वाहन में लादकर ले गए हैं, इसलिए रात के समय इस रूट से गुजरे संदिग्ध वाहनों की सूची तैयार की जा रही है।

खानक और आस-पास के गांवों के किसानों ने इस घटना पर गहरा रोष व्यक्त किया है। ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के युवा प्रदेश अध्यक्ष युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा का कहना है कि पशु चोरी की घटनाओं से किसान रात को चैन की नींद नहीं सो पा रहे हैं।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है कि गश्त बढ़ाई जाए, आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और चोरी किए गए पशुओं को बरामद कर किसान को न्याय दिलाया जाए इसके साथ ही उन्होंने सरकार से आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए पीड़ित किसान को उचित मुआवजा देने की भी मांग की। क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं के कारण लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। लोग पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। लोगों को कहना है कि गांव में पहले भी चोरी हो चुकी है। पुलिस अभी तक एक भी चोर को नहीं पकड़ सकी है।

तोशाम क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश और चिंता, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी

सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर किया मुआयना

उषा प्रियदर्शनी महिलाओं की आवाज को करेगी बुलंद: विक्की

बवानीखेड़ा। महिला आयोग के अध्यक्ष के पद पर उषा प्रियदर्शनी की नियुक्ति किए जाने पर है। हरियाणवी कलाकार विक्की खरकिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने खुशियां बनाकर लड्डु बांटकर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि उनकी नियुक्ति से महिलाओं की अधिकारों की रक्षा होगी। विक्की खरकिया ने बताया कि भाजपा में सभी कार्यकर्ता पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ पार्टी के लिए काम करते हैं और छोटे से छोटे कार्यकर्ता को पार्टी अहम जिम्मेदारी सौंप देते हैं। इस नियुक्ति के साथ वो महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

उनके कौशल को देखते हुए पार्टी ने उनको यह जिम्मेदारी सौंपी है। वह इस कार्य को पूरी ईमानदारी के साथ निभा कर महिलाओं के हकों की आवाज बुलंद करने में भूमिका अदा करने का काम करेंगी ताकि प्रदेश की महिला को किसी प्रकार का अत्याचार न सहन करना पड़े।

कनाडा में सत्संग प्रेमी राजेंदर सिंह के घर कंवर साहेब ने दिए प्रवचन

सच्ची भक्ति मन का मनका फेरना : संत कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राधा स्वामी दिनोद परमसंत कंवर महाराज ने कहा कि सच्ची भक्ति मन का मनका फेरना है। इसका अर्थ है कि नाम को अपने मन की माला बना लेना और निरंतर उसका सुमिरन करते रहना। कंवर महाराज वर्तमान में एक माह की पश्चिमी विदेश यात्रा पर हैं।

रविवार को कनाडा में सत्संग प्रेमी राजेंदर सिंह के निवास पर आयोजित सत्संग में परम संत कँवर साहेब जी ने साध-संगत को अपने इन अमृत वचनो एवं पावन दर्शन से अनुग्रहित किया। कंवर महाराज नेकहा कि प्रभु ने हमें अनगिनत कृपाएं दी हैं, तो हमें भी उनका नाम बिना गिनती, प्रेम से लेना चाहिए। जो भक्ति नहीं कर पाता, उसे पूजा-पाठ जैसे साधनों से मार्ग पर लगाया जाता है, ताकि धीरे-धीरे वह सच्चाई की ओर बढ़े। जो नाम, पूजा और सत्संग से दूर रहता है, वह संसार के मोह में फंस जाता है।

संतों ने समझाया है कि मुक्ति केवल बाहरी कर्मों में नहीं, बल्कि नाम में, मन को साधने में, अनावश्यक बातों को त्यागने में और अपने अवगुणों को रोकने में है।

कंवर महाराज ने कहा कि यदि कोई जीवन भर भजन और शब्द गाता रहे, लेकिन उसकी बुरी भावना न मिटे, तो उसका क्या लाभ? यदि नशा, मांस-मछली, निंदा-चुगली, ईर्ष्या, द्वेष, लूट-खसोट और भ्रष्टाचार नहीं छोड़ा, तो फिर वह कैसी भक्ति है गुरु के पास जाते हो, सत्संग सुनते हो और नाम की महिमा भी जानते हो, फिर भी यदि अवगुण नहीं छोड़ते, तो यह वैसा ही है जैसे कोई हाथ में दीपक लेकर भी कुएं में गिर जाए। कबीर साहब ने कहा है कि मन सब कुछ जानता है, फिर भी अवगुण करता है। सत्संग वही दीपक है, वही प्रकाश और ज्ञान है, जो हमें सच्चाई और झूठ का भेद दिखाता है।

आत्मिक शांति के लिए मन को साधना जरूरी

जब कष्ट और क्लेश दूर होते हैं, तभी मन शांत होकर भक्ति में लग सकता है। लेकिन जिनके पास सब कुछ है और फिर भी वे भक्ति नहीं करते, उन्हें सोचना चाहिए कि यह सब प्रभु की कृपा से मिला है। प्रभु ने हमें अच्छा शरीर, मानव जन्म, ज्ञान, बुद्धि और विवेक दिया है। इतनी समझ होते हुए भी यदि हम अपना हित न कर सकें, तो यह हमारी भूल है। आत्मिक शांति के लिए चित्त को एकाग्र करना और मन को साधना जरूरी है। मन को साधना कठिन तभी लगता है, जब उसकी डोर खुली छोड़ दी जाती है। खुली छूट मिलने पर मन मृग की तरह इधर-उधर भागता है और अपनी इच्छाओं में जीव को भटका देता है। जब तक मन रास्ते पर नहीं आता, तब तक हम प्रभु की ओर नहीं लग सकते। हमारे सामने दो रास्ते हैं—प्रवृत्ति और निवृत्ति।

पंचायत समिति ने दो गांवों को टेंकर वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

पंचायत समिति चेयरपर्सन आनंद दर्शना देवी डालावास ने पंचायत समिति कोटे से सार्वजनिक कामकाज व स्वच्छ पेयजल आपूर्ति में प्रयोग करने के लिए क्षेत्र के गांव धनासरी, मांढी पिरानू को पेयजल टेंकर वितरित करते हुए पंचायत प्रतिनिधियों को सौंपे तथा जल्द ही और टेंकर भेजने की घोषणा की।

दर्शना आनंद डालावास ने गांव धनासरी, मांढी आदि दो गांवों में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों को पेयजल टेंकर वितरण करते हुए कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार हर गांव, वार्ड व घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है और इसी कड़ी में गांव के सरपंच को वाटर टेंक दिए गए तथा जिन गांवों में अभी तक सार्वजनिक सुविधा के रूप में वाटर टेंक नहीं पहुंचा हैं उनको जल्द ही और टेंक भेजे जाएंगे। जलदान महादान होता है और हमारे पूर्वज भी जगह जगह मानव व पशुओं के लिए पीने के पानी का प्रबंध करते थे। हम भी दूरदराज पीने के पानी की आपूर्ति की मुहिम चला रहे हैं।

■ **केन्द्र व प्रदेश सरकार हर गांव, वार्ड व घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए कटिबद : दर्शना आनंद**

कहानी

डॉ. मधुकांत

पेपर आउट है

खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था।

मेधावी और अनुशासित छात्र सजल जब गांव के सीधे-सादे परिवेश से निकलकर शहर में कोचिंग करने आया, तो उसके माता-पिता ने अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा जोड़कर उसे इस उम्मीद से भेजा था कि वह डॉक्टर बनकर लौटेगा। शुरुआत में सजल हॉस्टल के कड़े अनुशासन में रहा। वह रोज घंटों किताबों में खोया रहता। यह परिश्रम कुछ ही महीनों का मेहमान साबित हुआ। उसी शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में सजल की मुलाकात अपने ही जिले की अंकिता से हुई, जिसे वह पहले से जानता था।

दोनों ने ही दसवीं की बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन में स्थान पाकर जिलाधिकारी से सम्मान प्राप्त किया था। रोज की मुलाकातें, एक ही बेंच पर बैठना और परीक्षा के तनाव को बांटना, धीरे-धीरे गहरे आकर्षण में बदल गया। हॉस्टल की दीवारें अब सजल को जेल जैसी लगने लगीं। अंकिता से बेरोकटोक मिलने के लिए उसने हॉस्टल छोड़ दिया और बाहर एक प्राइवेट कमरा ले लिया। अंकिता का भी वहां आना-जाना आम हो गया। जिस उम्र में करियर की मजबूत नींव रखी जानी चाहिए थी, उसमें दोनों पिकनिक मनाने, सिनेमाघरों और महंगे रेस्टोरेंटों में समय बिताने लगे। किताबें मेज पर धूल फांकती रहीं। उन्हें भ्रम था कि वे बुद्धिमान हैं और अंत में कुछ दिन पढ़कर परीक्षा निकाल लेंगे, पर प्रतियोगी परीक्षाओं की दुनिया एक दिन की लापरवाही भी बर्दाश्त नहीं करती। दो वर्ष का समय पानी की तरह बह गया। जब नीट का परिणाम आया, तो दोनों बुरी तरह असफल रहे। इसी बीच अंकिता के परिजनों को उनके प्रेम-संबंधों का पता चल गया। लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए।

अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया, लेकिन उसका अहंकार मरा नहीं था। वह पराजित होकर गांव नहीं लौटना चाहता था, जहां उसे पिता की मिठाई की दुकान संभालनी पड़ती या किसी स्कूल में मामूली वेतन पर पढ़ाना पड़ता। वह शहर की सुख-सुविधाओं का आदी हो चुका था और रातोंरात अमीर बनना चाहता था। उसने एक तिकड़मी साथी के साथ मिलकर शहर के मुख्य इलाके में एक पूरी बिल्डिंग किराए पर ली और 'अंकिता कोचिंग सेंटर' की शुरुआत की। इस कोचिंग का मुख्य आकर्षण पढ़ाई नहीं, बल्कि छात्रों को किसी भी कीमत पर पास कराने की सौ प्रतिशत गारंटी थी। यह आधुनिक शिक्षा की विडंबना थी कि जो सजल खुद नीट पास नहीं कर पाया था, उसने दो साल की नाकामी में परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों और अनैतिक हथकंडों को बारीकी से सीख लिया था। उसे पता था कि कौन सा अधिकारी कहां बिकता है और परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग कैसे होती है। जल्द ही उसका यह धंधा चल निकला।

लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए। अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया।

लेकिन पाप का घड़ा ज्यादा दिन नहीं टिकता। एक बड़ी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर आउट कराने के चक्कर में सजल और उसका पार्टनर रंगे हाथों पुलिस द्वारा पकड़ लिए गए। संस्थान पर ताला लग गया और दोनों जेल पहुंच गए। जेल जाने के बाद असली सामाजिक ढांचा सामने आया। सजल के रसूखदार पार्टनर के घरवाले तुरंत पैसा और वकील लेकर आए और अपने बेटे को छुड़ा ले गए। परंतु सजल के गरीब माता-पिता गांव में लोक-लाज के मारे मुंह छिपाए बैठे थे। ऐसे में सजल की जमानत उस बड़े सिंडिकेट ने करवाई जो पूरे देश में पेपर लीक करने का काला साम्राज्य चलाता था। गैंग के सरगना ने सजल की चालाकी और शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को समझने की उसकी प्रतिभा को भांपकर उसे अपने गैंग का मुख्य मोहरा बना लिया। यह कोई छोटा गिरोह नहीं था, बल्कि पेपर आउट करके लाखों छात्रों के भविष्य को चंद रुपयों में बेचने वाला एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट था, जिसे देश के बड़े पूंजीपतियों, भ्रष्ट अधिकारियों और रसूखदार सफेदपोश नेताओं का संरक्षण प्राप्त था। हमारे विशाल देश में साल के बारह महीने कोई न कोई परीक्षा चलती ही रहती है। इन गोपनीय प्रश्नपत्रों को परीक्षा से चंद घंटे पहले आउट करना और अकूत अवैध धन कमाना इस सिंडिकेट का व्यवसाय बन चुका था।

इस सामूहिक खुशी के पीछे देश की शिक्षा व्यवस्था को लगा गहरा ग्रहण छिपा था। योग्य और प्रतिभावान गरीब छात्र इस व्यवस्था की चक्की में पिस रहे थे। सरकारें भी इस संकट से मुंह मोड़े बैठी थीं। इस फर्जीवाड़े से डिग्रियां पाकर युवा जुगाड़ में लग जाते थे, जिससे वे सड़कों पर उतरकर बेरोजगारी का वास्तविक आंकड़ा नहीं बढ़ाते थे और न ही नई नौकरियों की मांग करते थे। कागजों पर सब ठीक देखकर सरकार भी खुश रहती थी। जब कभी पेपर आउट होने की खबर मीडिया में आती, तो कुछ दिनों के लिए हंगामा मचता। विपक्षी दल सड़कें जाम करते, संसद में नारेबाजी होती और टीवी पर बहसें होतीं। जनआक्रोश शांत करने के लिए सरकार एक दिखावटी जांच कमेटी बना देती। पीड़ित छात्र और लाचार अभिभावक कुछ दिनों तक न्याय की उम्मीद में लाठियां खाते और अंत में अपनी किस्मत को कोसते हुए चुप होकर घर बैठ जाते। समय बीतने के साथ सब भुला दिया जाता और अगले साल फिर यही कहानी दोहराई जाती। सजल इस काले धंधे का मुख्य संचालक बनकर ऐश की जिंदगी जी रहा था, पर उसका इंसान पूरी तरह मरा नहीं था। इसी बीच उसे गांव से खबर मिली कि अंकिता ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उसने किसी कोचिंग के बिना, घर के एक छोटे से कमरे में खुद को बंद कर दिन-रात स्वाध्याय किया और इस सत्र की नीट परीक्षा शानदार अंकों के साथ पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट पक्की कर ली।

सजल के लिए यह खबर एक करारे तमाचे जैसी थी। जिसके साथ उसने समय बर्बाद किया था, वह अपनी मेहनत से डॉक्टर बनने जा रही थी और वह खुद एक अपराधी बनकर छिपा फिर रहा था। इसके तुरंत बाद उसे एक और भयानक समाचार मिला। पिछली जिस परीक्षा का पेपर सजल के सिंडिकेट ने आउट किया था, उसकी तैयारी सजल का एक बेहद घनिष्ठ, गरीब मित्र सालों से कर रहा था। पेपर लीक होने के कारण जब परीक्षा रद्द हो गई, तो वह योग्य मित्र इस गहरे सदमे और गरीबी से हारकर फांसी पर झूल गया। मित्र की खुदकुशी की खबर से सजल हिल गया। वह छिपते-छिपाते मित्र के गांव पहुंचा। श्मशान घाट पर जलती चिता और बूढ़े माता-पिता का क्रंदन देखकर दूर खड़े सजल का कलेजा फट गया, क्योंकि इस मौत के पीछे कहीं न कहीं उसका ही सिंडिकेट था। जलती चिता के सामने सजल ने एक कठोर संकल्प लिया। उसने पाप की कमाई पर थूका और सिंडिकेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उसने तय किया कि वह फिर से वही मेधावी सजल बनेगा और खुद अपनी मेहनत से नीट पास करेगा। उसने निश्चय किया कि जब तक वह योग्य डॉक्टर नहीं बन जाता, तब तक न अंकिता से मिलेगा और न माता-पिता को अपना कलंकित चेहरा दिखाएगा। सजल शहर के एक सुदूर कोने में छोटा सा कमरा लेकर रहने लगा। पूरे एक वर्ष तक उसने दिन-रात एक कर दिया। अंकिता की सफलता और मित्र की चिता को याद कर वह हर रोज अठारह-अठारह घंटे पढ़ाई करने लगा। हालांकि, व्यवस्था के दंश से डरा उसका मन आशंकित था, इसलिए उसने प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर हर सुरक्षा पक्की कर ली ताकि परीक्षा में कोई विघ्न न आए। उसे पूरा विश्वास था कि अब उसकी तपस्या को सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। परीक्षा शुरू हुई। तीन दिन तक पेपर बहुत शानदार गए। सजल के चेहरे पर एक साल की कड़ी मेहनत के बाद पहली बार एक पवित्र मुस्कान आई। उसे लगा कि उसके जीवन का अंधकार छटने वाला है और वह अंकिता तथा अपने माता-पिता के काबिल बनने वाला है। लेकिन चौथे दिन सुबह जैसे ही वह परीक्षा केंद्र की ओर बढ़ा, वहां अफरा-तफरी मची थी। पुलिस की गाड़ियां थीं और छात्र सड़कों पर रो-चिल्ला रहे थे। सजल को पता चला कि प्रथम पेपर परीक्षा शुरू होने से महज आधे घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर आउट हो गया था, जिसके कारण सरकार ने पूरी परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह सुनते ही सजल के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और उसके भीतर भी उसी आत्मघाती अवसाद ने जन्म ले लिया जिससे उसका मित्र गुजरा था। उसका मन हुआ कि वह भी इसी वक्त आत्महत्या कर ले। लेकिन तभी, निराशा के घने कोहरे के बीच उसके अंतर्मन से एक चीख सुनाई दी। उसे अपना अतीत याद आया, जब वह खुद इस सिंडिकेट का हिस्सा था और अपनी तिजोरियां भरने के लिए पेपर आउट करता था, तब देश के कोने-कोने में बैठे न जाने कितने होनहार युवाओं का भविष्य इसी तरह एक झटके में अंधकार में डूब जाता था। आज जब वह खुद उस दर्द से गुजरा, तो उसे अहसास हुआ कि उसने अपने हाथों से कितने मासूमों के सपनों की हत्या की थी। खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था। उसे अब समझ आ गया था कि व्यवस्था के इस कैंसर को बदले बिना कोई भी सपना कभी सुरक्षित नहीं रह सकता।

पुस्तक समीक्षा

अपने समय से संवाद का नाम है 'संजय उवाच'

समीक्षक

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

मीडिया प्राध्यापक एवं लेखक प्रो. संजय द्विवेदी की नई पुस्तक 'संजय उवाच' उनके चुनिंदा और सारगर्भित भाषणों का उत्कृष्ट संग्रह है। अकादमिक जगत से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने जो व्याख्यान दिए, उनको पाठकों के लिए संपादित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। ज्यादातर व्याख्यान मीडिया, भाषा और शिक्षा के मुद्दों पर केंद्रित हैं। इसलिए यह पुस्तक मीडिया के विद्यार्थियों एवं इस क्षेत्र में रुचि रखने वालों को अवश्य ही पढ़नी चाहिए। जिस दौर में मीडिया को लेकर अनेक प्रकार की बहस हवा में तैर रही हैं, तब उस बहस में भारतीय दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप प्रो. संजय द्विवेदी का नजर आता है। संवाद से सुंदर बनेगी दुनिया, जड़ों की ओर लौटे मीडिया और जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण- ये व्याख्यान मीडिया पर चल रही बहस को सार्थक दिशा देने का प्रयास हैं। इसके अलावा, पुस्तक में भारत के नायकों, साहित्यकारों और समसामयिक विमर्श पर भी सारगर्भित विचार पढ़े जा सकते हैं। एक पंक्ति में कहें तो, इस पुस्तक में संकलित व्याख्यान पत्रकारिता, समाज, शिक्षा, भाषा और आज के समाज के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर एक सार्थक और सकारात्मक विमर्श प्रस्तुत करते हैं। प्रो. संजय द्विवेदी ने अपने समय के साथ जो संवाद किया है, उसको संकलित और संपादित करके 'संजय उवाच' के रूप में अपने पाठकों के सामने प्रस्तुत कर दिया है। यह एक प्रकार से प्रो. द्विवेदी के बौद्धिक हस्तक्षेप का दस्तावेजीकरण है। प्रो. द्विवेदी की भाषा इतनी सहज-सरल और सरस है कि लिखा हुआ भी हमें सुनाई देता है, जो सहज ही पाठकों के अंतर्मन तक अपनी छाप छोड़ने का सामर्थ्य रखता है। लेखक की चिंता के केंद्र में निरंतर 'भारतबोध' और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण झलकता है। इसके अलावा, प्रो. द्विवेदी ने प्रिंट और डिजिटल मीडिया के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सूक्ष्म विश्लेषण किया है। वे स्पष्ट करते हैं कि तकनीकी बदलावों या सोशल मीडिया के आने मात्र से प्रिंट मीडिया का भविष्य खतरे में नहीं है। प्रो. द्विवेदी 'फेक न्यूज' और 'इन्फोडेमिक' (सूचनाओं के महाविस्फोट) के इस दौर में 'मीडिया साक्षरता' को न केवल छात्रों के लिए, बल्कि संपूर्ण समाज और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी अत्यंत अनिवार्य मानते हैं ताकि समाज में फैल रहे दुष्प्रभावों को रोका जा सके। उनका मानना है कि मीडिया का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि पाठकों को बौद्धिक रूप से उन्नत करना भी है। पुस्तक के प्रकाशन की गुणवत्ता बेहतरीन है। नई दिल्ली के शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने इसे प्रकाशित किया है। यह पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

कवि कॉर्नर

कविता | कमला राठी

मेरे प्रभु

बहुत गयी थोड़ी रही
बाकी भी चुक जाए
समय-समय का फेर है
कोई आए कोई जाए

मैं जिनको अपना कहूँ
वो सब तेरी देन
थकत नहीं जिह्वा मेरी
अपना-अपना कहन

सुख में साथ अनेक हैं
दुःख में लें मुख मोड़
सब की आशा छोड़ कर
बस एकहु से मन जोड़

सुख-दुःख तो दिन रैन हैं
एक आवै एक जाय
सुख के पीछे क्यूं पड़ें
जब दुःख में राम सहाय

कविता | प्रो. ज्योति राज

ग़रीबी

अनचुपड़ी रोटी सी
पैबंद लगी धोती सी
दरारों भरी सोटी सी
उलझी हुई चोटी सी
सताती है ग़रीबी

धुँधलाए चश्मे सी
घिसी चप्पल सी
अधछूटी तुरपाई सी
उधड़ी सीवन सी
लजाती है ग़रीबी

कुम्हलाए गात सी
थकी औरत जात सी
रूखे चावल भात सी
दर्द में डूबी रात सी
थकाती है ग़रीबी

बिगड़ी हुई बात सी
स्याही जमी दवात सी
पस्त पड़े परवाज सी
थेगलियों के टाट सी
चिढ़ाती है ग़रीबी

साहित्य एक किस्म का यज्ञ : डॉ. लांगायन

व्यक्तित्व | डॉ. ओमप्रकाश कादयान

आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई। साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक इनकी लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

डॉ. रामभक्त लांगायन एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने साहित्यकार, समाजसेवक तथा एक ईमानदार उच्च अधिकारी के रूप में एक साथ नाम कमाया है। ये जहां कर्मठ, ईमानदार, मेहनती व सुलझे हुए आई.ए.एस. अधिकारी रहे, वहीं अनुभवी, ऊर्जावान, साहित्यकार तथा समर्पित समाज सेवी हैं। आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। विभिन्न पदों पर रहते हुए, अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई।

साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक डॉ. रामभक्त लांगायन द्वारा लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। नारी उत्थान के लिए, बेटियों के सम्मान के लिए, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए, हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार, संत-महात्माओं के विचार आम आदमी तक पहुंचाने के लिए, धर्म को जानने व शहीदों के गुणगान के लिए डॉ. रामभक्त लांगायन ने अनेक पुस्तकें लिखी हैं। इनका मानना है कि आज मशीनरी के युग में बहुत जरूरी हो गया है कि हम देश के युवाओं व विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व प्रकृति से प्रेम करना सिखाएं, वो अपने देश व समाज के उत्थान की सोचें।

डॉ. रामभक्त लांगायन

वो केवल अपने लिए न जीकर दूसरों का भी सम्मान करें। वो अपने देश को, समाज को, प्रकृति को, अपनी संस्कृति को जानें। इन सबके लिए पुस्तकें सबसे अच्छा माध्यम हैं। इसलिए मैं प्रयास करता हूं कि मैं बच्चों को, युवाओं को प्रेरणा देने वाली पुस्तकें दे सकूं। लेखक का मानना है कि साहित्य एक किस्म का यज्ञ है। अच्छा साहित्य अच्छे समाज का निर्माण करता है। समाज में जब भी कोई बड़ा परिवर्तन हुआ है उसके पीछे साहित्य की शक्ति छुपी होती है। कई बार सारगर्भित कुछ पंक्तियां ही लोगों का विचार व भावना बदल देती हैं। इसलिए साहित्य का अध्ययन हम सबको करना चाहिए। बच्चों व युवाओं के मन पर तो श्रेष्ठ साहित्य गहरा असर डालता है।

अगर हम विद्यार्थियों या युवाओं को अच्छी-अच्छी कहानियां, कविताएं और महापुरूषों की जीवनियां पढ़ने के लिए देंगे तो वे अवश्य महापुरूषों के पदचिन्हों पर चलेंगे। डॉ. लांगायन संस्कृत व हिंदी दोनों भाषाओं में एक साथ लिख रहे हैं। इन्हें भारतीय संस्कृति से गहरा लगाव है। जीवन के उदात मूल्यों में इनकी गहरी आस्था है। यही कारण है कि इनका साहित्य भी इसी तरह का है। ये साहित्य के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रभक्ति व संस्कार भरना चाहते हैं। डॉ. रामभक्त लांगायन का संपूर्ण जीवन इन्हीं आदर्श जीवन-मूल्यों पर आधारित है। इसके साथ-साथ डॉ. लांगायन दलित समाज के उत्थान का कार्य कर रहे हैं। ये निर्धन, निस्सहाय बच्चों की शिक्षा का उचित प्रबंध भी करते हैं ताकि उनका भावी जीवन श्रेष्ठ हो सके। वर्तमान में ये अम्बेडकर छात्रावास के माध्यम से उनके सामाजिक, शैक्षणिक संरक्षण व उत्कर्ष का उत्तम कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कॉलेज समय से पहले ही लिखने का शौक था। पत्र-पत्रिकाओं में लेख छपते रहते थे। धीरे-धीरे पुस्तक प्रकाशन आरंभ हुआ।

फिलहाल संत रविदास के जीवन चरित्र पर एक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं। दो पुस्तकें प्रकाशाधीन हैं। 15 अगस्त 1946 को रोहतक के सुडाना गांव में जन्मे, वैश्य कॉलेज, पंजाबी विश्वविपटियाला, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र से शिक्षा ग्रहण करने वाले साहित्यकार, डॉ. रामभक्त लांगायन आजकल कुरूक्षेत्र में रह रहे हैं।

मोटिवेशनल

अनुशासन बनाम मोटिवेशन स्थायी सफलता का सूत्र

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

1. मोटिवेशन का आकर्षण, अनुशासन की शक्ति

आज का युवा मोटिवेशनल वीडियो, रील्स और प्रेरणादायक भाषणों से भरा हुआ है। कुछ मिनटों के लिए ऊर्जा बढ़ती है, लक्ष्य स्पष्ट दिखने लगता है और हम सोचते हैं "अब सब बदल जाएगा।" कुछ ही दिनों में वही उत्साह कम हो जाता है। यही कारण है कि केवल मोटिवेशन पर निर्भर रहना स्थायी सफलता की गारंटी नहीं है।मोटिवेशन क्षणिक होता है, अनुशासन स्थायी।

2. मोटिवेशन क्यों टिकता नहीं?

मोटिवेशन भावनाओं पर आधारित होता है। जब हम किसी सफलता की कहानी सुनते हैं या किसी उपलब्धि से प्रभावित होते हैं, तो भावनात्मक रूप से प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन भावनाएं स्थायी नहीं होतीं। भारतीय युवाओं के सामने आज प्रतियोगी परीक्षाएँ, करियर की अनिश्चितता और सोशल मीडिया का दबाव है। ऐसे में केवल प्रेरणा के भरोसे चलना मुश्किल है।

3. अनुशासनः रोज़ की छोटी जीत

अनुशासन का अर्थ है अपने लक्ष्य के अनुसार रोज व्यवहार करना, चाहे मन करे या न करे। रोज छोटे-छोटे नियम अपनाएं। साधारण नियम ही असाधारण परिणाम देते हैं।

4. सोशल मीडिया के दौर में आत्म-नियंत्रण

आज सबसे बड़ी चुनौती है, ध्यान भटकना। रील्स, गेम्स, लगातार नोटिफिकेशन, ये सब समय और ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं। अनुशासन का अर्थ है अपने समय और ध्यान पर नियंत्रण। जो युवा स्वयं पर नियंत्रण रखता है, वही अपने लक्ष्य पर नियंत्रण पा सकता है।

5. सफलता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

सफलता अचानक नहीं आती। यह आदतों का परिणाम होती है। जब आप रोज एक ही समय पर मेहनत करते हैं, तो आपका मस्तिष्क उस रूटीन का आदी हो जाता है। धीरे-धीरे वही काम आपकी पहचान बन जाता है। अनुशासन का जितना अभ्यास करेंगे, उतना मजबूत होगा।

लघु कथा

भूल-सुधार

सब्जी काटते-काटते उसे पता ही नहीं लगा कि ऊंगली से खून बह रहा है।
पतीली के ढक्कन पर लाल-लाल बूंदें दिखी तो ध्यान गया। दर्द तो कब का हो रहा था।
परन्तु इन दर्दों की परवाह करने बैठ गयी तो ...।

आशा खत्री 'लता'

कहानीकार

देखा काफी गहरा घाव था। खून को थामने के प्रयास में पांच मिनट विलम्ब हो गया। तुरत-फुरत बिटिया का टिफिन तैयार किया। टिफिन पर शायद आटे के कुछ कण चिपक गए थे। बेटी ने एक बार टिफिन को देखा और फिर उसे घूरा।
'बेटा, ऊंगली कट गयी थी।'
उसने कुछ सहानुभूति की उम्मीद लिए बेटी की ओर देखते हुए कटी ऊंगली को दूसरे हाथ की ऊंगलियों से दबाते हुए कहा।
बेटी ने घूरते हुए उसकी ओर देखा और हाई हील की सेंडिल खट-खट करती हुए बाहर निकल गयी।
शकुन धम से कुर्सी पर गिर गयी। कितना खटती है वह दिन-रात, सब वक्त पर तैयार, सबके स्वाद का ध्यान। किसी से कुछ कहना नहीं, किसी से कुछ अपेक्षा नहीं, फिर भी दो शब्द अपनेपन के नहीं उसके लिए।
उसे लगा कहीं बेटी को जिंदगी का पाठ पढ़ाने में उसी से तो कोई गलती नहीं हो गई।
दिन भर इसी पर मंथन करते वह निष्कर्ष पर पहुंच चुकी थी।
अगले दिन- 'उठो तनु आज खाना खुद बना कर ले जाना है।'
मैं कैंटीन से कुछ ले लूंगी
'ले लेना, पर पापा के लिए तो बना दो, मेरी ऊंगली में दर्द है।'
'आज से पहले तो आपने मुझ से कुछ करवाया नहीं ?'
'हां तनु, पर वह मेरी गलती थी, जिसे मैं और आगे नहीं ले जाना चाहती। धूप-छांव का अहसास तो तभी होगा, जब सफ़र पर निकलोगी।'
कहते हुई शकुन घर के दूसरे कामों में व्यस्त हो गई।

कुछ हटकर

बी.टेक एरोनॉटिकल के बाद एविएशन, रक्षा क्षेत्र में अवसर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग) चार वर्षीय तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, स्पेसक्राफ्ट और एयरोस्पेस प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और रखरखाव की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः एरोडायनामिक्स, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर, प्रोपल्शन सिस्टम, फ्लाइट मैकेनिक्स, एवियोनिक्स, गैस टर्बाइन इंजन, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, कंट्रोल सिस्टम्स, थर्मोडायनामिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। एरोडायनामिक्स विमान की गति, स्थिरता और ईंधन दक्षता को निर्धारित करता है, जबकि प्रोपल्शन सिस्टम विमान को शक्ति प्रदान करने वाली तकनीकों को समझाता है।

विशेषज्ञताएं

- एवियोनिक्स सिस्टम
- प्रोपल्शन एवं इंजन टेक्नोलॉजी
- ड्रोन एवं यूएवी टेक्नोलॉजी
- स्पेस एवं रॉकेट प्रौद्योगिकी
- फ्लाइट टेस्टिंग एवं मेंटेनेंस
- कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी)
- रक्षा एवं मिसाइल तकनीक
- एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग
- एयर ट्रांसपोर्ट एवं एविएशन मैनेजमेंट।

इनका प्रत्यक्ष उपयोग विमान निर्माण, रक्षा अनुसंधान, स्पेस मिशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एयरलाइन संचालन आदि में होता है।

आवश्यक कौशल

तकनीकी ड्रॉइंग एवं डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स एवं सिमुलेशन टूल्स का ज्ञान, एयरक्राफ्ट सिस्टम एवं एवियोनिक्स की कार्यप्रणाली की समझ, समस्या समाधान एवं विश्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचार क्षमता, परियोजना प्रबंधन आदि।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- रक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- डीआरडीओ वैज्ञानिक/इंजीनियर पद
- इसरो वैज्ञानिक एवं तकनीकी पद

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशरः लगभग □5.0–□9.0 लाख वार्षिक (विभाग अनुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठः लगभग □12–□25 लाख वार्षिक; रक्षा एवं अनुसंधान संगठनों में अतिरिक्त भत्ते एवं सुविधाएँ उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

- एयरक्राफ्ट डिजाइन एवं निर्माण
- डिजाइन इंजीनियर, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर इंजीनियर
- प्रोडक्शन इंजीनियर
- क्वालिटी कंट्रोल एवं टेस्टिंग इंजीनियर,

आय सीमा : फ्रेशरः लगभग □4.0–□8.0 लाख वार्षिक
अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग □10–□28 लाख वार्षिक; अंतरराष्ट्रीय एविएशन कंपनियों/रक्षा परियोजनाओं में अधिक अवसर सम्भव।

सुझावः किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का लिया संकल्प

बाढड़ा। ब्राह्मण सभा सिंदौलिया खाप चौरासी अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा आईजी की अगुवाई में ब्राह्मण भवन में वार्षिक बैठक आयोजित कर सभा के कार्यक्रमों पर चर्चा की गई तथा सभी पदाधिकारियों को अपने अपने गांव व वार्ड में नशे, अशिक्षा व अन्य बीमारियों को खत्म करने का संकल्प लिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि भगवान परशुराम ने सदैव अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया तथा समाज को नया रास्ता दिखाने का काम किया है। यह बात उन्होंने कस्बे के ब्राह्मण भवन में सरंक्षक विजय मोटू की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कही। बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारियों ने भवन पर खर्च राशी व पर्यावरण सरंक्षण, बेटी बचाओ मुहिम शुरु करने का भी मंथन लिया गया।

कार्यकर्ता ही पार्टी की वास्तविक शक्ति:अजय

बाढड़ा। कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते है और उनके निरंतर अथक परिश्रम, ईमानदारी तथा आमजन के प्रति अटूट समर्पण की भावना के कारण ही पार्टी निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर है। यह विचार जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अजय सिंह चौटाला ने जजपा वरिष्ठ हल्का उपाध्यक्ष कृष्ण बिंद्राबन की गाड़ी पर पार्टी की झंडी लगाते हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। कार्यकर्ताओं की मेहनत, त्याग, संघर्ष और जनता के बीच उनकी सक्रिय भागीदारी ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है।

सुविधा के हिसाब से लगेंगे ग्रीष्माकालीन शिविर

भिवानी। प्रकृति प्रेमियों के लिए राहत की खबर। अब शिक्षा विभाग विद्यार्थियों को नेचर के प्रति जागरूक करने जा रहा है। जिसके लिए शिक्षा विभाग प्रत्येक स्कूल में छठी क्लास से लेकर 12 वीं क्लास तक के बच्चों को सात दिन का प्रशिक्षण व जानकारी दी जाएगी। उक्त शिविरों में बच्चों को यह जानकारी दी जाएगी कि किस तरह से बच्चे प्रकृति को बचाए, पर्यावरण को किस तरह से स्वच्छ रखा जा सकता है। इनके अलावा प्रशिक्षण शिविर में जल संरक्षण, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, योग एवं स्वास्थ्य संबधी गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी। पहली बार शिक्षा विभाग ने गर्मी की छुट्टियों में शिक्षकों अपनी सुविधा के हिसाब से शिविर लगाने की छूट दी है।

तुगलकी फरमान की माकपा ने की आलोचना

भिवानी। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी भिवानी प्रदेश सरकार द्वारा रैली -सभाओं पर रोक लगाने व अन्य तुगलकी फरमान ज़ारी करने की कड़ी आलोचना करती हैं । जिला सचिव कामरेड ओम प्रकाश ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सीमित मात्रा में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी, वर्क फरोम होम और रैली -सभाओ पर रोक लगाने के कदम को गैर वाजिब व अलोकतान्त्रिक कदम है ।

खेल, शिक्षा एवं पर्यावरण का संगम बना मिशन लाइफ ग्रीन समर कैंप

विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान के साथ सात दिवसीय ग्रीन समर कैंप का हुआ आगाज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में मिशन लाइफ, फालसा इको क्लब एवं बदलाव की पाठशाला के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय ग्रीन समर कैंप का शुभारंभ हुआ। शिविर जिला परियोजना अधिकारी भिवानी शिवकुमार तंवर के आदेशानुसार तथा विद्यालय के मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया है। शिविर का संचालन फालसा इको क्लब के नोडल अधिकारी एवं शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू की देखरेख में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षाविद्ध एवं पूर्व प्राचार्य विजय सिंह परमार ने किया। इस अवसर पर सहायक जिला शिक्षा अधिकारी (खेल) श्रीभगवान सिंह व समाजसेवी प्रवीण कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बदलाव की पाठशाला के सदस्य एवं फालसा इको क्लब के नोडल अधिकारी विनोद पिंकू पीटीआई ने की। मुख्यतिथि विजय परमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्व के पर्यावरण को बचाना है, आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित बनाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधें लगाने, जल संरक्षण करने तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान किया। परमार ने शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू द्वारा गर्मियों की छुट्टियों के दौरान विद्यार्थियों के घर जाकर गृहकार्य की मॉनिटरिंग करने, खेल-खेल में शिक्षा देने, विषय आधारित प्रश्नों की एमसीक्यू एवं ओएमआर आधारित तैयारी करवाने तथा पढ़ो, लिखो, याद करो, सुनाओ और इनाम पाओ अभियान की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि गतिविधियां विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होंगी।

भिवानी। ग्रीन समर कैंप के शुभारंभ पर विद्यार्थियों के साथ शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

मिशन लाइफ के सिद्धांतों को जीवन में उतारें

श्रीभगवान सिंह ने कहा कि खेल, शिक्षा और पर्यावरण तीनों का संतुलन ही स्वस्थ एवं सफल जीवन का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को मिशन लाइफ के सिद्धांतों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी: पिंकू

शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि हरियाणा शिक्षा विभाग एवं हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देशानुसार आयोजित इस सात दिवसीय ग्रीन समर कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास एवं जिम्मेदार जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

सिंगल यूज प्लास्टिक का किया बहिष्कार

शिविर के दौरान स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, सतत खाद्य प्रणाली को बढ़ावा देना, ई-कचरा कम करना, कचरा प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण तथा एकल उपयोग प्लास्टिक का बहिष्कार शामिल है। वहीं प्रकृति भ्रमण, जैव विविधता जागरूकता, स्वच्छता अभियान, ऊर्जा एवं जल ऑडिट, पौधरोपण, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं तथा पर्यावरण जागरूकता रैलियां आयोजित की जाएंगी। कैंप के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शिक्षक प्रवीण ने योग, प्राणायाम एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला। सभी विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को पर्यावरण संरक्षण, जल बचाने, ऊर्जा बचाने तथा अधिक से अधिक पौधरोपण करने की शपथ दिलाई।

भिवानी। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते सांसद धर्मबीर सिंह।

पीएम मोदी के 12 साल बेमिसाल: सांसद

कल्याणकारी योजनाओं का मिल रहा लाभ: सांसद

- देश के नागरिक होने के नाते, हर किसी को राष्ट्र निर्माण में निभानी होगी अपनी भूमिका : सांसद धर्मबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प की ही देन है कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा दी गई। उनके नेतृत्व में देश में व्यापक बदलाव आएं हैं। पीएम मोदी के कार्यकाल के 12 साल बेमिसाल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब झुकने वाला भारत नहीं है। सांसद ने आमजन का आह्वान किया कि 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए इस देश के नागरिक होने के नाते, हर किसी को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी होगी। सांसद रविवार को गांव सोंहासड़ा में आयोजित विशेष जन सम्पर्क अभियान कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर सांसद ने आमजन की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि 2014 से पहले और बाद के भारत का अध्ययन करने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि क्या बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं जिनका लाभ सीधे लोगों को मिल रहा है। अब बिचौलियों का दौर खत्म हो चुका है।

प्राकृतिक खेती अपनाएं

सांसद ने आमजन से प्राकृतिक खेती अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता लगातार घट रही है और देश की भूमि का ऑर्गेनिक कार्बन स्तर गंभीर रूप से कम हो गया है, जिससे भूमि बंजर होने की स्थिति में पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए न तो शुद्ध भोजन उपलब्ध रहेगा और न ही पीने योग्य पानी।

प्रकृति से जुड़ने का दिया संदेश

- पालुवास विद्यालय में सात दिवसीय ग्रीन समर कैंप शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद एवं जिला परियोजना संयोजक, समग्र शिक्षा भिवानी के निर्देशानुसार तथा इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के तत्वावधान में राजकीय वमावि पालुवास में सात दिवसीय ग्रीन समर कैंप का रविवार को शुभारंभ किया। शिविर कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। पहले दिन विद्यार्थियों को वॉक इन नेचर गतिविधि के माध्यम से प्रकृति एवं पर्यावरण से जुड़ने का संदेश दिया।

भिवानी। विद्यार्थियों को प्रकृति एवं पर्यावरण से जुड़ने का संदेश देते शिक्षक।

हरियाली बढ़ाने की जानकारी दी

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पेड़-पौधों, पर्यावरण संरक्षण तथा हरियाली बढ़ाने के महत्व से संबंधित जानकारी दी। विद्यालय इंचार्ज राजेंद्र श्योराण, अंग्रेजी प्रवक्ता एवं दीपमाला शर्मा व संजय मुदगिल की उपस्थिति में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इको क्लब इंचार्ज दीपमाला शर्मा ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार आगामी सात दिनों तक विद्यालय में विभिन्न पर्यावरणीय एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

डॉ. शंभूदयाल को किया सम्मानित

- 12 वर्षों में भारत ने विकास एवं आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखा : रीतिक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भारतीय जनता पार्टी के लिए सत्ता सुख भोगने का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। भाजपा ने 'हरियाणा एक-हरियाणवी एक' की भावना को व्यावहारिक रूप से लागू किया है। 12 वर्षों में भारत ने विकास एवं आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखा है, उक्त शब्द भाजपा के पूर्व प्रदेश सहमीडिया प्रमुख रीतिक वधवा ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियान के दौरान कही।

भिवानी। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. शंभूदयाल को सम्मानित करते भाजपाई।

जनसंपर्क अभियान के दौरान जिले के गांव धारेड़ पहुंचकर भाजपाइयों ने 40 साल से अधिक समय से पार्टी में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे गांव के पूर्व सरपंच एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. शंभूदयाल को शाल ओड़ाकर सम्मानित किया।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा अन्य राजनीतिक दलों से भिन्न है, जिन दलों में परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति हावी होती है, वहां संगठन कुछ लोगों तक सीमित रह जाता है, जबकि भाजपा में सामान्य कार्यकर्ता भी अपने परिश्रम, समर्पण और प्रतिभा के बल पर नेतृत्व की सर्वोच्च जिम्मेदारियां निभाने तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि यही भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है। वर्ष 1980 में एक सशक्त, समृद्ध और शक्तिशाली भारत के निर्माण के उद्देश्य से भाजपा की स्थापना की गई थी।

14 करोड़ सदस्य

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन तक संगठन ने निरंतर विस्तार प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत एवं समर्पण के बल पर भाजपा 14 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल स्वामी, किसान मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक तिगड़ी व अजीत तिगड़ी आदि उपस्थित रहे।

सैनी कल्याण परिषद की टीम को किया सम्मानित

- रक्तदान के क्षेत्र में अभूतपूर्व और सराहनीय कार्य करने का परिषद का मिला फल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रविवार को भिवानी के रेडक्रॉस समाज और ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में अभूतपूर्व और सराहनीय कार्य करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया। इस कड़ी में सैनी कल्याण परिषद की टीम को उनके उल्लेखनीय और निरंतर योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

रेडक्रॉस सचिव और ब्लड बैंक की अध्यक्ष डा. हर्षित कुमारी ने सैनी कल्याण परिषद के उपप्रधान व रक्तदान प्रभारी ओम प्रकाश सैनी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके जज्बे को सलाम किया। इस मौके पर उनके साथ उत्कृष्ट सेवा के लिए रमेश सैनी ढाणा रोड को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान रैडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार व ब्लड बैंक की अध्यक्ष डॉ. हर्षित कुमारी ने सैनी कल्याण परिषद की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि जब भी भिवानी ब्लड बैंक में रक्त की कमी महसूस होती है या किसी आपातकाल में रक्त की जरूरत पड़ती है, हम तुरंत सैनी कल्याण परिषद के रक्त प्रभारी ओम प्रकाश सैनी से संपर्क करते हैं। हमारे एक फोन पर यह टीम तुरंत प्रभाव से रक्तदान कैंप का आयोजन कर देती है। ऐसी ही सजग संस्थाओं की बदौलत आज ब्लड बैंक में मरीजों को बगैर रिप्लेसमेंट के ब्लड उपलब्ध करवाया जा रहा है, जो अपने आप में एक मिसाल है।

भिवानी। रक्तदाता को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

तुरंत संपर्क

ओम प्रकाश सैनी ने संस्था की दूरदर्शिता और तैयारी के बारे में बताते हुए कहा कि संकट के समय तुरंत मदद पहुंचाने के लिए परिषद पूरी तरह डिजिटल और संगठित रूप से काम करती है। वर्तमान में संस्था के पास लगभग 1 हजार ऐसे समर्पित रक्तदाताओं की सूची उपलब्ध है, जिनके नाम, फोन नंबर और ब्लड ग्रुप का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित है। किसी भी दुर्लभ ब्लड ग्रुप की मांग आने पर इन रक्तदाताओं से तुरंत संपर्क कर मरीज की जान बचाई जाती है। सैनी ने कहा कि संस्था की केवल एक ही सोच और जिद है, हम रक्त के अभाव में किसी भी मासूम या जरूरतमंद की जान नहीं जाने देंगे। जब कभी किसी मरीज को रक्त की आवश्यकता होगी, सैनी कल्याण परिषद हमेशा चट्टान की तरह उसके साथ खड़ी मिलेगी।

योग महोत्सव का आगाज आज से

- सीबीएलयू के एमएससी और बीएससी योग विभाग के विद्यार्थी भिवानी व आसपास के गांव में विभिन्न 40 स्थानों पर लगाएंगे योग कैंप

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

चौधरी बंसीलाल विवि. भिवानी और क्रीड़ा भारती भिवानी के सौजन्य से 15 जून से 21 जून तक योग महोत्सव मनाया जाएगा। इस महोत्सव में एमएससी योग और बीएससी योग के विद्यार्थियों द्वारा भिवानी शहर और आसपास के गांवों में 40 स्थानों पर योग कैंप लगाए जाएंगे। विवि के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. सुरेश कुमार मालिक और विभागाध्यक्ष डॉ. लक्खा सिंह के मार्गदर्शन में इन कैंपों का आयोजन किया जाएगा।

भिवानी। सीबीएलयू में आयोजित शिविर में योग करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण पूरा

आयोजन से पहले विद्यार्थियों का विशेष प्रशिक्षण 11 से 13 जून तक चला। यह प्रशिक्षण डॉ. सुनील भारद्वाज के सानिध्य में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल की बारीकियां सिखाई गईं, ताकि वे कैंप में आमजन को सही विधि से योग अभ्यास करा सकें। प्रो. सुरेश कुमार मालिक ने बताया कि सभी विद्यार्थी इस कार्यक्रम को लेकर उत्साहित हैं और योग के माध्यम से अपना सुंदर भविष्य देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमएससी और बीएससी योग के छात्र व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ समाज सेवा का भी अवसर प्राप्त कर रहे हैं।

मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजू हंस ने विधायक संग मिलकर किया पौधरोपण

बवानीखेड़ा। एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम की परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजू हंस द्वारा बवानीखेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि संग मिलकर बवानीखेड़ा सहित, गांव खेड़ी दौलतपुर सहित अनेक गांवों में सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण किसया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। वे न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, जल संरक्षण करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजू हंस ने बताया कि हमें समय समय पर पौधारोपण करके पर्यावरण को सुरक्षित रखना चाहिए।

कराटे चैंपियनशिप : खेल सिर्फ मेडल के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का माध्यम : विधायक

युवाओं के सपनों को मिले कराटे के पंख, 12 राज्यों के 500 खिलाड़ियों ने दिखाए प्रतिभा के जौहर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

खेलों की नगरी भिवानी एक बार फिर देश के कोने-कोने से आई खेल प्रतिभाओं के अनूठे संगम की गवाह बनी। भिवानी कराटे एकेडमी एवं डिस्ट्रिक्ट एसो. के तत्वावधान में स्थानीय नई अनाज मंडी स्थित जन सेवा सदन में आयोजित दो दिवसीय बेस्ट ऑफ बेस्ट ओपन कराटे चैंपियनशिप-2026 का रविवार को समापन हो गया।

12 राज्यों से आए 500 से अधिक कराटेबाजों ने अपनी कला, गति और अचूक दांव-पेचों से न केवल दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि देश का भविष्य सुरक्षित और अनुशासित हाथों में है। प्रतियोगिता के समापन और पुरस्कार वितरण समारोह में बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी मोनू गोयत, भिवानी कराटे एसोसिएशन के फाउंडर की धर्मपत्नी संतोष बिरेंद्र जालंधरा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विजेताओं को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथियों ने युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा की भावना भी पैदा करते हैं।

भिवानी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

ये रहे परिणाम

चैंपियनशिप में लड़कियों के वर्ग की अंडर-14 की माईनस 30 किग्रा भार वर्ग में महक अंबाला, स्नेहा भिवानी व सान्या रोहतक व अनन्या कैथल क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही। माईनस 35 किग्रा भार वर्ग में रिद्धि रानी प्रथम, साम्या दादरी द्वितीय व तनीषा झज्जर व कीर्ति भिवानी तृतीय रही। माईनस 40 किग्रा भार वर्ग में वैभवी हांसी प्रथम, साक्षी शर्मा दादरी द्वितीय व साक्षी व पूर्वी जींद तृतीय रही। माईनस 45 किग्रा भार वर्ग मे काशी अंबाला प्रथम, दीपिका हांसी द्वितीय व यीशू महम व जानवी जींद तृतीय रही। 45 से अधिक किग्रा भार वर्ग में मनीषा दिल्ली प्रथम, प्रिया हांसी द्वितीय, कोम हांसी व संध्या भिवानी तृतीय रही। माईनस 50 किग्रा भार वर्ग में काजल अंबाला प्रथम, सिमरन जींद द्वितीय, शिखा दादरी व रहीमा जींद तृतीय रही। माईनस 68 किग्रा भार वर्ग में ममता भिवानी प्रथम, इरा जींद द्वितीय, हेमा कैथल व पुष्पा यादव तृतीय रही। वही अंडर-14 बालक वर्ग के 30 किग्रा भार वर्ग में सुमित रोहतक प्रथम, रिधम अंबाला द्वितीय मनन भिवानी व दीपांशु रोहतक तृतीय रहे।

सांसद ने बाढ़ड़ा में सुनीं जनसमस्याएं , मूलभूत समस्याओं के त्वरित समाधान के अधिकारियों को दिए निर्देश

स्वस्थ एवं अच्छी जीवनशैली के लिए प्राकृतिक खेती जरूरी: सांसद धर्मबीर

- प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में देश तरक्की की राह पर अग्रसर : धर्मबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल देश के आत्मविश्वास की वापसी और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक समय रहा है। इस दौरान देश ने शासन, दृष्टिकोण, नेतृत्व और राष्ट्रीय संकल्प में एक निर्णायक बदलाव देखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्र के प्रति समर्पित दूरदर्शी सोच का नेता बताया। सांसद बाढ़ड़ा के बीडीपीओ कार्यालय में खंड के सरपंचों और आमजन से रूबरू थे। जनसंवाद कार्यक्रम में सांसद धर्मबीर सिंह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं व संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि जनसहभागिता से ही विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। गत 12 वर्षों में पूरी शक्ति के साथ महत्वपूर्ण फैसले लिए, जिसके परिणामस्वरूप देश व प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। सांसद ने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से काम हो रहे हैं। बिजली-पानी, विकास कार्य आदि मूलभूत सुविधाओं हों या रोजगार व तबादले प्रत्येक कार्य के लिए पॉलिसी के तहत काम हो रहे हैं। प्रत्येक कार्य पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। केंद्र व प्रदेश की योजनाओं का आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक देश व प्रदेश विकसित हो इसके लिए जनभागीदारी जरूरी है। सांसद ने प्राकृतिक खेती अपनाने पर जोर दिया और किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए हम सब को प्राकृतिक खेती अपनानी होगी, जिस प्रकार से जंगलों में प्रकृति के माध्यम से ही सब पौधें फलते-फूलते हैं, उसी प्रकार हम सबको अपने खेत में भी सभी फसलों को प्राकृतिक रूप से उगाना चाहिए। देसी गाय के एक टन गोबर की खाद से लगभग दो किलो नाइट्रोजन बनता है, इसलिए हमें गाय के गोबर की खाद को ही खेत में ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना चाहिए। खेत में गाय के गोबर की खाद डालने से लागत में कमी व उत्पादन बढ़ाने में भी हमारे काम आता है। सांसद ने युवाओं में नशे के बढ़ते प्रभाव पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि समय रहते सतर्क नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियां बर्बाद हो जाएंगी।

त्रिवेणी लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सांसद ने समाज में लगातार नैतिक गिरावट पर चिंता प्रकट करते हुए सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने के लिए प्रबुद्धजनों से आगे आने की अपील की। सांसद ने त्रिवेणी लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए मानसून सीजन में ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करें। बाढ़डा के विधायक उमेद पातुवास ने कहा कि पिछले 12 सालों में पूरे देश में सकारात्मक बदलाव आए हैं। यह केवल देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की विकासात्मक सोच के कारण संभव उपाय है। इस समय के दौरान प्रत्येक वर्ग की तरक्की एवं सुविधा को देखते हुए एक समान कार्य हुए हैं। देश के गरीब वर्ग के लिए विशेष योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है।

17 को सिवानी के राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि में होगा कार्यक्रम

'खादी रोजगार उत्सव' कारीगरों के लिए खोलेगा तरक्की का मार्ग

- 'खादी रोजगार उत्सव' के संबंध में केवीआईसी अध्यक्ष ने अपने पैतृक गांव झुप्पा खुर्द में किया पत्रकारों को संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), भारत सरकार के अध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि 17 जून को शाम 4 बजे सिवानी स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित होने वाला 'खादी रोजगार उत्सव' खादी जगत से जुड़े कारीगरों और श्रमिकों के जीवन उत्थान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। रोजगार उत्सव कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जिनका सिवानी और आसपास क्षेत्र से पहुंचने वाले खादी कारीगर और इलाके के लोग जोरदार स्वागत करेंगे। खादी रोजगार उत्सव कार्यक्रम के माध्यम से खादी जगत की नई कहानी लिखी जाएगी। आयोग के अध्यक्ष मनोज गोयल रविवार को अपने पैतृक गांव झुप्पा खुर्द में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर के खादी कारीगरों और श्रमिकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। वर्ष 2014 से पहले खादी जगत से जुड़े कारीगरों की दशा और स्थिति दयनीय थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने देश की बागडोर संभालते ही श्रमिकों को एक तरह से पूजने का काम किया है। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले खादी जगत का सालाना कारोबार महज 30 हजार करोड़ रुपए होता था जबकि वर्तमान में खादी का सालाना कारोबार 1.87 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। उन्होंने आगे कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र ने अब 2.51 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। गोयल ने यह भी बताया कि वर्तमान में खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र के माध्यम से देशभर में लगभग 2.04 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

भिवानी। सिवानी रैली की तैयारियों को लेकर पत्रकारों से बातचीत करते हुए।

कारीगरों को नया मार्गदर्शन मिलेगा

पत्रकारों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष केवीआईसी मनोज गोयल ने बताया कि सिवानी में आयोजित होने वाला रोजगार उत्सव बड़े ही व्यवस्थित तरीके से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें खादी से जुड़े कारीगर और श्रमिकों को नए-नए मशीन और टूल्स की जानकारी भी मिलेगी। खादी से जुड़ी रोजगार संबंधी योजनाओं को जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में कार्यक्रम को कारीगरों को नया मार्गदर्शन और नया हौसला मिलेगा।

सीएम सैनी देंगे जनता को नायाब तोहफा

बहल। प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 17 जून को सिवानी में आयोजित होने वाले खादी रोजगार उत्सव में प्रदेश के गरीब, किसान, मजदूर एवं युवाओं के हित में महत्वपूर्ण घोषणाएं कर उन्हें नायाब तोहफा देंगे। उन्होंने कहा यह आयोजन बहल, लोहारू और सिवानी क्षेत्र के लिए सौगातों से भरा होगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन से इस कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि खादी संस्थान पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों के उत्थान व ग्रामीण विकास के लिए अनेक सम्भावनाएं निहित है। रोजगार उत्सव को लेकर क्षेत्र के लोगों के भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। जनभागीदारी और उपस्थिति के दृष्टिकोण से अब तक का सबसे बड़ा एवं ऐतिहासिक आयोजन सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार निरंतर जनकल्याणकारी नीतियों को लागू कर रही है तथा प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि खादी रोजगार उत्सव केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार तथा आत्मनिर्भरता से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की और तैयारियों का जायजा लिया।

बहल। कार्यकर्ताओं को निर्देश देते पूर्व मंत्री जेपी दलाल। फोटो : हरिभूमि

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अभियान 15 जून से शुरू : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी साहिल गुप्ता ने कैंप स्थित अपने कार्यालय में रविवार को निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हुए बताया कि 15 जून से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 का कार्य शुरू हो रहा है। इस मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य में 941 बीएलओ घर घर जाएंगे। उन्होंने आम नागरिक और राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा है कि इस अभियान में सहयोग करें ताकि मतदाता सूची पारदर्शी ढंग से त्रुटि रहित बन सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री गुप्ता ने बताया कि जिला के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान स्तर अधिकारी (बीएलओ) 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक घर-घर जाकर मतदाताओं को दोहरी प्रति में प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित करेंगे। प्रत्येक बीएलओ प्रतिदिन लगभग 30 घरों में पहुंचकर 70 से 80 फॉर्म वितरित एवं एकत्रित करेगा। उन्होंने बताया कि जिला में 941बीएलओ घर घर जाएंगे, जिनको मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इन पर 96 सुपरवाइजर लगाए हैं। श्री गुप्ता ने बताया कि यदि किसी मतदाता का घर बंद मिलता है तो बीएलओ फॉर्म को दरवाजे के नीचे छोड़ेंगे तथा संबंधित घर पर तीन बार जाकर फॉर्म प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

भिवानी के रक्तवीर राजेश डुडेजा को अहमदाबाद में मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

- 97 बार रक्तदान व 49 बार प्लेटलेट्स दान कर बचाई लोगों की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रक्तदान महादान है, यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि भिवानी के शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा के जीवन का परम संकल्प बन चुका है। पिछले कई दशकों से जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाने और समाज को पुनीत कार्य के प्रति जागरूक करने वाले राजेश डुडेजा को राष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में 16 जून को गुजरात के अहमदाबाद में होने वाले नेशनल लेवल एनजीओ कन्कलेव ऑन ब्लड ट्रांसफ्यूशन सर्विस में भिवानी के 'सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट को भारत सरकार के कड़े मानकों के आधार पर राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना है।

कार्यक्रम भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद तथा रक्त संक्रमण सेवाओं के संयुक्त तत्वावधान में होगा। हरियाणा स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल पंचकूला द्वारा सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट को राष्ट्रीय समागम में विशेष रूप से आमंत्रित किया है। अहमदाबाद के सिल्वर क्लाउड होटल एंड बैंक्वेट्स में होने वाले समारोह में देशभर की चुनिंदा और उत्कृष्ट रक्त सेवा संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा।

शिविर में 51 युवाओं ने रक्तदान किया

भिवानी। उपायुक्त एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी राज्य शाखा चंडीगढ़ के निर्देशानुसार विश्व रक्तदाता दिवस पर रविवार को रेडक्रॉस भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर ने सेवा, समर्पण एवं मानवीयता की मिसाल पेश की। शिविर में 51 युवाओं ने रक्तदान किया, जिन्हें बैज लगाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित सभी को समय-समय पर रक्तदान कर मानव सेवा के अभियान में आहुति डालने का संकल्प भी दिलाया।

- रक्तदान के माध्यम से किसी का जीवन बचाना सबसे बड़ा उपहार: सचिव

पर्यावरणीय संकट एवं वर्तमान विकास मॉडल की चुनौतियों पर किया मंथन

भिवानी। किसान विकास ट्रस्ट एवं स्टैंड विद नेचर के संयुक्त तत्वावधान में 9 से 11 जून तक उत्तराखंड के कंडीखाल स्थित यूसुफ मेहरअली सेंटर में तीन दिवसीय स्टैंड विद नेचर क्लाइमेट एंड कम्युनिटी कैंप का सफल हुआ। इस आवासीय शिविर में विभिन्न राज्यों व सामाजिक पृष्ठभूमियों से आए युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। स्टैंड विद नेचर के अध्यक्ष डॉ. लोकेश भिवानी ने बताया कि कैंप का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय न्याय, सामाजिक असमानता, लोकतंत्र व समुदाय आधारित विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद एवं सामूहिक सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देना था। कैंप के दौरान प्रतिभागियों ने लाइन ऑफ प्रिविलेज, लाइफ स्टोरी शेयरिंग, नेचर वॉक, काउंसिल ऑफ बीइंग्स, रेड एंड ब्लू गेम तथा विभिन्न सहभागी गतिविधियों के माध्यम से विशेषाधिकार, सामाजिक न्याय, प्रकृति से संबंध और सामूहिक नेतृत्व जैसे विषयों को अनुभवात्मक रूप से समझा।

शिविर में कृषि विशेषज्ञों ने बताए जड़गलन रोग से बचाव के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ग्वार बारानी क्षेत्रों की महत्वपूर्ण फसल है, जो कम खर्च करके अधिक आमदनी देती है तथा भूमि की उपजाऊ शक्ति में भी सुधार लाती है, जो आगामी सरसों व गेहूं की फसल के लिए बहुत फायदेमंद है तथा इन फसलों में 25 से 30 प्रतिशत नत्रजन की बचत करती है। कृषि विभाग के एटीएम डॉ. मदन सिंह के तत्वावधान में ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव के साथ मिलकर गांव सोरडा जदीद में ट्रेनिंग का आयोजन किया। डॉ. मदन सिंह ने किसानों को सलाह दी किसी भी फसल की बिजाई से पहले अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं तथा खाद का उपयोग मिट्टी की जांच के आधार पर करें। उन्होंने प्राकृतिक खेती अपनाने व इसको बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रेरित किया।

स्वर्ण जयंती पार्क में प्रयास संगठन के सदस्यों ने चलाया सफाई अभियान

लोहारू। पिछले दस वर्षों से सामाजिक कार्यों में अग्रणी सामाजिक संस्थान प्रयास एक कोशिश सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों संगठन के दसवें स्थापना दिवस पर स्वर्ण जयंती पार्क सफाई अभियान चलाया और लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। संगठन के प्रधान महेंद्र कथूरिया ने कहा कि पार्क, बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों को साफ सुथरा रखना प्रत्येक नागरिक का प्रथम दायित्व है। सार्वजनिक स्थान की सफाई व्यवस्था शहर के सौंदर्यीकरण में योगदान देती है। कथूरिया ने कहा कि लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी के निस्तारण के लिए कचरा पात्रों का इस्तेमाल करना चाहिए। व्यापार मण्डल सचिव संजय खंडेलवाल ने कहा कि प्रयास संगठन के सामाजिक कार्यों की सराहना की और कहा कि एक अच्छे नागरिक का कर्तव्य बनता है कि वो देश, समाज के विकास में अपना योगदान दे और सामाजिक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगाए।

खबर संक्षेप

रक्तदाताओं को किया सम्मानित

चरखी दादरी। सरदार झाड़ू सिंह चौक पर मातृ शिशु अस्पताल में विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष मे रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि नगर परिषद चेयरमैन बक्शीराम सैनी एंव जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के संरक्षक रवि गर्ग बधवानिया ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी की तरफ से दादरी में सबसे अधिक रक्त एकत्रित करने वाली मुख्य पाच संस्थाओं को सम्मानित किया, जिसमें मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन के बलवान सिंह साहू, बाबा स्वामी दयाल सेवा संघ के रिम्पी फोगाट, वंचित जनजागृति ट्रस्ट एवं रक्तवीर परिवार तथा सेवा संकल्प संगठन के पदाधिकारी को आए हुए अतिथियों ने सम्मानित किया। जिले मे सबसे अधिक रक्तदान करने वाले रक्तविरो को भी सम्मानित किया गया, जिसमें अत्यधिक रक्तदान करने वाले रक्तवीर अमित फोगाट गांव लोहरवाडा ,डॉ सुदेश वर्मा दादरी, बिशन सिंह आर्य झोझू, भूपेंद्र सिंह चाहर घसोला आदि को सम्मानित किया।

फाउंडेशन ने रक्तदाताओं को किया सम्मानित

भिवानी। हमारा अपना फाउंडेशन एवं हमारा परिवार के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रक्तदाता दिवस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्यातिथि हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बडगूजर शिरकत की तथा सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। बडगुजर ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। इस मौके पर हमारा अपना फाउंडेशन के संस्थापक सचिन जैन ने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ युवा को वर्ष में कम से कम दो बार रक्तदान कर इस पुण्य कार्य में सहभागी बनना चाहिए। समारोह में 117 बार रक्तदान कर समाज के सामने अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम में आर.पी. ओला, देवेंद्र अत्रि, अशोक शर्मा, नरेश तंवर, एवं राजेश पठानिया को भी सम्मानित किया गया।

भीषण गर्मी में पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म: रामफल

भिवानी। गर्मी के मौसम में पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म है, ये बात राधा स्वामी सत्संग भवन शाखा दिनोद के मुख्य सेवादार रामपाल सिंगल ने रोहतक रोड पर राधा स्वामी आश्रम के बाहर मीठे पानी की छबील लगाने के दौरान कही। इस अवसर पर पवन शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना और पिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की कमी से ही सभी बीमारियां पैदा होती है, इसलिए इस गर्मी के मौसम में हम जितना पानी पियेंगे हमारा स्वास्थ्य ठीक रहेगा। सेवादार संदीप पंघाल ने कहा कि गर्मी के मौसम परमसंत हुजूर कंवर साहेब महाराज के आशीर्वाद से राधा स्वामी आश्रम के सेवादारों ने 12 ड्रम यानी 2400 लीटर नींबू का पानी पिलाया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
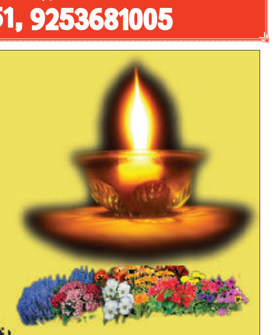
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

आपातकाल एवं आधी रात का साथी है स्थानीय केमिस्ट: प्रधान विज

ऑनलाइन दवाओं के व्यापार से दुकानदारों पर पड़ रहे असर व भविष्य की रणनीति पर चर्चा

- ई-फार्मेसी में नकली दवाओं एवं बिना पर्चे की डिलीवरी का जोखिम : मक्कड़
- एकजुटता, सजगता एवं डिजिटल बिलिंग से बदलेगी तस्वीर : महता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बदलते डिजिटल दौर और ई-फार्मेसी के बढ़ते चलन के बीच पारंपरिक फार्मा व्यापार के अस्तित्व व उसमें सुधार को लेकर रविवार को रेस्तरां में डिस्ट्रिक्ट भिवानी केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन की आम बैठक एवं शैक्षणिक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का मुख्य विषय द फ्यूचर ऑफ ऑनलाइन/फ्यूचर ऑफ फार्मा ट्रेड रखा।

कार्यक्रम में दवा व्यापारियों ने हिस्सा लिया और ऑनलाइन दवाओं के व्यापार से दुकानदारों पर पड़ रहे असर व भविष्य की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्यतिथि हरियाणा ड्रग डीलर एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सतीश विज व एचडीडीए के महासचिव करतार सिंह मक्कड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भिवानी। डिस्ट्रिक्ट भिवानी केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन की बैठक एवं शैक्षणिक सेमिनार को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष देवराज महता ने की। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया और फार्मा क्षेत्र में आ रहे नीतिगत बदलावों पर उनका मार्गदर्शन मांगा। सेमिनार में वक्ताओं और एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बदलती तकनीक और सरकारी नियमों के बीच खुदरा दवा विक्रेताओं के भविष्य को लेकर अपने विचार सांझा किए। मुख्यतिथि सतीश विज ने कहा कि ऑनलाइन फार्मेसी का बढ़ता दायरा पारंपरिक केमिस्टों के लिए बड़ी चुनौती जरूर है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल के समय या आधी रात को मरीज को दवा सिर्फ उसके घर के पास का स्थानीय केमिस्ट ही उपलब्ध करवाता है। ऑनलाइन कंपनियां भारी छूट का लालच देकर बाजार पर कब्जा करना चाहती हैं, लेकिन वे उस मानवीय भरोसे और व्यक्तिगत सेवा की जगह नहीं ले सकतीं जो स्थानीय केमिस्ट अपने ग्राहकों को देता है।

दवा विक्रेताओं को जागरूक एवं शिक्षित करना जरूरी: महता

देवराज महता ने कहा कि सेमिनार का मुख्य उद्देश्य हमारे साथी दवा विक्रेताओं को जागरूक और शिक्षित करना है। भिवानी एसोसिएशन हमेशा अपने सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला भिवानी केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील सरदाना, देवराज मेहता, प्रवीण असीजा, दीपक बंसल, प्रहलाद कोकड़ा, सुभाष बजाज, अजय मेहता, राजेश नागपाल, राजीव अरोड़ा, सुरेंद शर्मा, महेश बवानीखेड़ा, राजेंद्र सैनी ढुलेहरी, प्रमोद ढिगावा, रवि मुंढाल, हरीश नागपाल, पंकज ग्रोवर, संजीव पहुजा व कमल कदम आदि मौजूद रहे।